16-01-2022

चीनी उद्योग के भविष्य का रोड मैप देगा एनएसआई का दल

नाइजीरियन शुगर इंस्टीट्यूट के चार शिक्षकों का प्रशिक्षण पूर्ण

कानपुर, 15 जनवरी। नाइजीरिया के नाइजीरियन शुगर इंस्टीट्यूट के चार शिक्षकों ने अपना एक वर्ष का फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम राष्ट्रीय शर्करा संस्थान से पूर्ण कर संस्थान से विदा ली। नाइजीरिया मे चीनी उद्योग के विस्तार के लिए मास्टर प्लान के अतर्गत नाइजीरियन शुगर इंस्टीट्यूट की स्थापना राष्ट्रीय शर्करा सस्थान के सहयोग से की गयी है। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान एवं नाइजीरिया शुगर डेवलपमेंट कौंसिल के मध्य हुए समझौते के अतर्गत राष्ट्रीय शर्करा संस्थान कानपुर नाइजीरिया के शिक्षकों को प्रशिक्षित करेगा एवं उसी के अतंर्गत बेल्लो मुजीब, माइकल ओस्सजि, सुलैमान अदेवाले और ओलु वाटोसिन ने यह प्रशिक्षण प्राप्त किया।राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के निदेशक प्रो नरेंद्र मोहन ने बताया की नाइजीरिया के इंस्टीट्यूट के इन शिक्षकों को शुगर प्रोसेसिंग की विभिन्न तकनीकों, बिजली के सह उत्पादन,ऑटोमेशन,उपकर्णों की डिज़ाइन, ऊर्जा एवं जल संरक्षण, गुणवत्ता नियंत्रण एवं चीनी उत्पादन के विभिन्नपहलूओं पर सैद्धातिक एवं व्यावहारिक ज्ञान दिया गया। निदेशक ने बताया कि संस्थान द्वारा क्लास रूम अध्यापन के अतिरिक्त व्यावहारिक प्रशिक्षिण पर जोर देते हुए ट्रेनिंग की व्यवस्था संस्थान की प्रायोगिक चीनी शमल एवं एक कामशियल चीनी मिल में भी की गई।राष्ट्रीय शर्करा संस्थान को नाइजीरिया शुगर डेवलपमेंट कौसिल द्वारा नाइजीरिया के शुगरमास्टर प्लान का ऑडिट करने के लिए भी आमंत्रित किया गया। ये दल नाइजीरिया मे चीनी मिलों के विस्तारीकरण की स्थिति का आकलन एवं भविष्य के रोड मैप के बारे में अपनी रिपोर्ट देगा। ताकि वह चीनी उत्पादन में आत्मनिर्भरता प्राप्त कर सके। उन्होंने बताया कि नाइजीरिया अपनी आवश्यकता की मात्र 3 प्रशित चीनी का उत्पादन करता है एवं प्रति वर्ष लगभग 16 लाख टन चीनी का आयात किता है।

नाइजीरियन शिक्षकों के साथ निदेशक प्रो नरेंद्र मोहन

नाइजीरिया प्रति वर्ष लगभग 16 लाख टन चीनी का करता है आयात

नाइजीरिया के चार शिक्षक एनएसआई में कोर्स कर बने विज्ञानी

कानपुर। नाइजीरिया के चार शिक्षकों ने नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट (एनएसआई) में अपना कोर्स पूरा कर लिया है। वे नाइजीरियन शुगर इंस्टीट्यूट की फैकल्टी हैं। नाइजीरिया के शुगर इंस्टीट्यूट की स्थापना में एनएसआई ने सहयोग किया था। अब वहां की फैकल्टी को पढ़ाकर शुगर विज्ञानी के रूप में तैयार किया जा रहा है। इस संबंध में एनएसआई और नाइजीरिया की शुगर डेवलपमेंट काउंसिल के बीच करार हुआ था। इसी के तहत बेल्लो मुजीब, माइकल ओस्सजि, सुलेमान अदेवाले और ओलु वाटोसिन अपना कोर्स पूरा कर विज्ञानी बन गए हैं।

एनएसआई के निदेशक प्रोफेसर नरेंद्र मोहन ने बताया कि नाइजीरियाई फैकल्टी को शुगर प्रोसेसिंग की विभिन्न तकनीकों, बिजली के सह उत्पादन, ऑटोमेशन, उपकरणों की डिजाइन, ऊर्जा एवं जल संरक्षण, गुणवत्ता नियंत्रण तथा शुगर उत्पादन के विभिन्न पहलुओं पर सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान दिया गया है। ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट की प्रायोगिक और एक कामर्शियल चीनी मिल में दी गई। एनएसआई को नाइजीरिया की शुगर डेवलपमेंट काउंसिल ने शुगर मास्टर प्लान ऑडिट करने के लिए आमंत्रित किया है। निदेशक की अगुवाई में विज्ञानियों का दल जल्द ही नाइजीरिया जाएगा। अभी नाइजीरिया अपनी जरूरत की मात्र तीन प्रतिशत चीनी का उत्पादन कर पाता है। जरूरत पूरी करने के लिए हर साल 16 लाख टन चीनी का आयात करता है। (ब्यूरो)